भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3723
उत्तर देने की तारीख 16 मार्च, 2026
25 फाल्गुन, 1947 (शक)

एनसीएसएसआर में आयोजित शैक्षणिक पाठ्यक्रम

†3723. श्री अरविंद गणपत सावंत:
श्री संजय उत्तमराव देशमुख:
श्री संजय हरिभाऊ जाधव:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार द्वारा देश में खेलों में खिलाड़ियों की सहभागिता बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) देश में प्रस्तावित, कार्यान्वित और वर्तमान में कार्यरत राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्रों (एनसीएसएसआर) की राज्यवार, विशेषकर महाराष्ट्र में, संख्या कितनी है;

(ग) पूरे देश में पिछले पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान एनसीएसएसआर में पेश किए जा रहे शैक्षणिक पाठ्यक्रमों का वर्षवार और संस्थानवार ब्यौरा क्या है और उनसे उत्तीर्ण स्नातकों की संख्या कितनी है;

(घ) उक्त अवधि के दौरान, विशेषकर महाराष्ट्र में, एनसीएसएसआर-वार आवंटित की गई, जारी की गई और उपयोग की गई कुल निधि कितनी है;

(ङ) क्या सरकार का देश में एनसीएसएसआर की संख्या बढ़ाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) सरकार द्वारा, विशेषकर महाराष्ट्र के वाशिम-यवतमाल संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में खेल के मैदानों के निर्माण के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) "खेल" राज्य का विषय होने के कारण, किसी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में खेलों के संवर्धन की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों की है। तथापि, युवा कार्यक्रम और

खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के माध्यम से राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई), साई प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी), एसटीसी के विस्तार केंद्र और राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता (एनएसटीसी) (इनकी उप-योजनाएँ – नियमित विद्यालय, आईजीएमए और अपनाए गए अखाड़ों) द्वारा विभिन्न आयु वर्गों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करने और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु पोषित करने के लिए राज्य सरकारों के प्रयासों में सहायता करता है।

इसके अतिरिक्त, सरकार द्वारा वर्ष 2017 से एक प्रमुख पहल के रूप में खेलो इंडिया स्कीम का कार्यान्वयन किया जा रहा है, ताकि इसके घटकों अर्थात् खेलो इंडिया केंद्र (केआईसी), खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र (केआईएससीई) और मान्यता प्राप्त अकादमियोँ के माध्यम से खेल संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके, जनसामान्य की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा सके और एक संरचित राष्ट्रीय पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से उत्कृष्टता को पोषित किया जा सके।

(ख) और (ग) : राष्ट्रीय खेल विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर) स्कीम के अंतर्गत, हब-एंड-स्पोक मॉडल के माध्यम से खेल विज्ञान सेवाएँ प्रदान की जाती हैं, जिसमें नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर में स्थित एनसीएसएसआर राष्ट्रीय हब के रूप में कार्य करता है जो भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों (एनसीओई) और देशभर के उच्च प्रदर्शन केंद्रों को खेल विज्ञान संबंधी सहायता उपलब्ध कराता है। वर्तमान में, इस योजना के अंतर्गत, 11 राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों (एनसीओई) और 2 उच्च प्रदर्शन केंद्रों, जिनमें महाराष्ट्र के औरंगाबाद स्थित एनसीओई भी शामिल है, तक खेल विज्ञान अवसंरचना को विस्तारित किया गया है।

इसके अतिरिक्त, एनसीएसएसआर स्कीम खेल विज्ञान और खेल चिकित्सा में प्रशिक्षित जनशक्ति का विकास करने के उद्देश्य से चयनित विश्वविद्यालयों और चिकित्सा संस्थानों के साथ सहयोग के माध्यम से शैक्षिक और अनुसंधान संबंधी गतिविधियों में सहायता करती है। इस स्कीम के अंतर्गत सहायता प्राप्त शैक्षणिक कार्यक्रमों में स्नातकोत्तर और शोध कार्यक्रम शामिल हैं जैसे कि व्यायाम शरीरक्रिया विज्ञान, बायोमैकेनिक्स, खेल पोषण और संबंधित क्षेत्रों जैसे खेल विज्ञान विधाओं में स्नातकोत्तर और पीएच.डी.। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत उत्तीर्ण स्नातकों की संख्या का डाटा संबंधित विश्वविद्यालयों/संस्थानों द्वारा अनुरक्षित किया जाता है।

(घ) देश में खेल विज्ञान अवसंरचना और शैक्षणिक क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए एनसीएसएसआर स्कीम के तहत कुल ₹260.00 करोड़ का वित्तीय परिव्यय अनुमोदित किया गया है। अनुमोदित घटक इस प्रकार हैं:

- नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी स्टेडियम में एनसीएसएसआर की स्थापना और संचालन – ₹46.00 करोड़
- 11 एनसीओई और 2 उच्च प्रदर्शन केंद्रों में खेल विज्ञान उपकरण और वैज्ञानिक सहयोग प्रणालियों की व्यवस्था – ₹77.70 करोड़
- चयनित विश्वविद्यालयों में खेल विज्ञान विभागों की स्थापना – ₹73.80 करोड़

- चिन्हित चिकित्सीय महाविद्यालयों में खेल चिकित्सा विभागों की स्थापना – ₹62.50 करोड़
- एनसीओई घटक के अंतर्गत, प्रत्येक एनसीओई, जिसमें महाराष्ट्र के औरंगाबाद स्थित एनसीओई भी शामिल है, के लिए खेल विज्ञान अवसंरचना और उपकरणों को सुदृढ़ करने हेतु ₹5.17 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

(ङ) जी, नहीं। तथापि, सरकार देशभर में खेल विज्ञान सहयोग प्रणालियों को क्रमिक रूप से सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार लाया जा सके और भारत के उच्च-प्रदर्शन खेल पारिस्थितिकी तंत्र को सहायता दी जा सके।

(च) खेलो इंडिया स्कीम (केआईएस) के "खेल अवसंरचना का निर्माण और उन्नयन" घटक तथा राष्ट्रीय खेल विकास निधि (एनएसडीएफ) के अंतर्गत, सरकार महाराष्ट्र राज्य सहित देशभर में खेल अवसंरचना जैसे कि सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक, सिंथेटिक हॉकी मैदान, सिंथेटिक टर्फ फुटबॉल ग्राउंड, बहुउद्देशीय हॉल और स्विमिंग पूल के विकास हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

केआईएस और एनएसडीएफ के अंतर्गत, पूरे देश में स्वीकृत परियोजनाओं और उनकी वास्तविक तथा वित्तीय प्रगति का विवरण मंत्रालय के डैशबोर्ड https://mdsd.kheloindia.gov.in and http://www.nsdf.yas.gov.in/nsdf-glance.html पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।.

******